



पंचायती राज चुनाव में कमल खिलाना है



परियोजनाएं, जो बना रही हैं
**राजस्थान को
जल समृद्ध**



₹91,000 करोड़ की लागत वाली संशोधित
पार्वती कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना से पूर्वी
राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल, लगभग 4.98 लाख
हेक्टेयर में सिंचाई एवं औद्योगिक जल का पुराना प्रबंध
₹23,312.20 करोड़
के 7 पेयजल कार्य प्रगतिरत

दो दशक बाद पांचना बांध की
नहरों में जल प्रवाहित
करवा कर सामाजिक सौहार्द की स्थापना और किसानों को
कृषि जल एवं पेयजल उपलब्ध
भरतपुर फीडर नहरी तंत्र का विस्तार कर
9,500 है. में अतिरिक्त सिंचाई साथ ही
ओखला से प्राप्त जल हेतु गुड़गांव कैनाल व उत्तरप्रदेश
से जल प्राप्त करने हेतु भरतपुर फीडर का जीर्णोद्धार

ऐतिहासिक यमुना जल समझौते
से शेखावाटी को वर्षों बाद जल उपलब्ध कराने के लिए
₹34,000 करोड़ की योजना एवं
इस परियोजना के तहत राशि
₹1622 करोड़
से धनौती कृत्रिम जलाशय का निर्माण

₹2,500 करोड़
की लागत से बनाई जा रही अपर
हाई लेवल केनाल माही परियोजना से बांसवाड़ा के
338 गावों में सिंचाई सुविधा
₹1,690 करोड़ की लागत से उदयपुर शहर की
पेयजल आवश्यकता को पूरा करने के लिए
देवास तृतीय व चतुर्थ बांध का निर्माण



किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना

15 सितम्बर 2026 को छह राज्यों के बीच समझौता, **₹15,000 करोड़ लागत,**
1,324 MCM जल भंडारण क्षमता एवं राजस्थान को **134 MCM जल आवंटन**

विशेष उपलब्धि: मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश के हिस्से के 25% अतिरिक्त जल की उपलब्धता राजस्थान को
लाभ: शेखावाटी क्षेत्र में पेयजल, सिंचाई एवं अन्य आवश्यकताओं हेतु जल उपलब्धता सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल



नर्मदा जल समझौता

नर्मदा समझौते से मानसून के लिए अधिशेष जल के
संग्रहण के लिए जलाशय निर्माण एवं जालौर, बाड़मेर
व बालोतरा जिलों में पेयजल आपूर्ति संवर्धन हेतु
डीपीआर प्रक्रियाधीन

महाराजा गंगसिंह जी द्वारा **जीवनदायिनी**
गंगनहर के निर्माण के शताब्दी वर्ष में गंगनहर
प्रणाली के पुनरुद्धार एवं आधुनिकीकरण के लिए राशि
₹1742 करोड़ के कार्य प्रारम्भ किये जा रहे हैं

भाखड़ा, नोहर सिद्धमुरव परियोजना के जीर्णोद्धार एवं
घघर बाढ़ से राहत कार्य राशि **1160 करोड़**

₹7,355 करोड़
की लागत से बन रहे परवन वृहद बहुउद्देशीय
सिंचाई परियोजना से कोटा,
बारां एवं झालावाड़
के 571 गांवों में 2.01 लाख हेक्टेयर सिंचाई तथा
1,402 गांवों में पेयजल सुविधा

₹1274 करोड़
की लागत से एस्केप जलाशय बनाकर
इंदिरा गांधी नहर के व्यर्थ बह रहे
248 एमसीएम जल का
संग्रहण किया जा रहा है
₹ 2,800 करोड़
के नए खालों का निर्माण व नहरों का जीर्णोद्धार

ब्राह्मणी परियोजना

चम्बल घाटी बाढ़ प्रबंधन परियोजना के अन्तर्गत व्यर्थ बहने वाले वर्षा जल के सदुपयोग पेयजल एवं अन्य हेतु
ब्राह्मणी नदी पर बैराज निर्माण एवं राणा प्रताप सागर बांध से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन कार्य ₹ 9100 करोड़
लाभान्वित जिले :- भीलवाड़ा, जयपुर, अजमेर, टोंक, दौसा, भरतपुर, अलवर

- अजमेर जिले में 200 एमसीएम भराव क्षमता के मोर सागर तथा इस हेतु बीसलपुर से फीडर के निर्माण हेतु **₹4,800 करोड़** का प्रावधान
- अजमेर और पुष्कर के बाँधों, तालाबों, झीलों और नहरों के जीर्णोद्धार में लगभग **₹ 425 करोड़** का प्रावधान

वर्तमान सरकार द्वारा सिंचाई परियोजनाओं पर
₹15,953.19 करोड़ व्यय से 1,42493.81 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा

हर घर जल
हर चेहरे पर मुस्कान

कमल का बटन दबाएं



भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

भाजपा का संकल्प
जलयुक्त राजस्थान